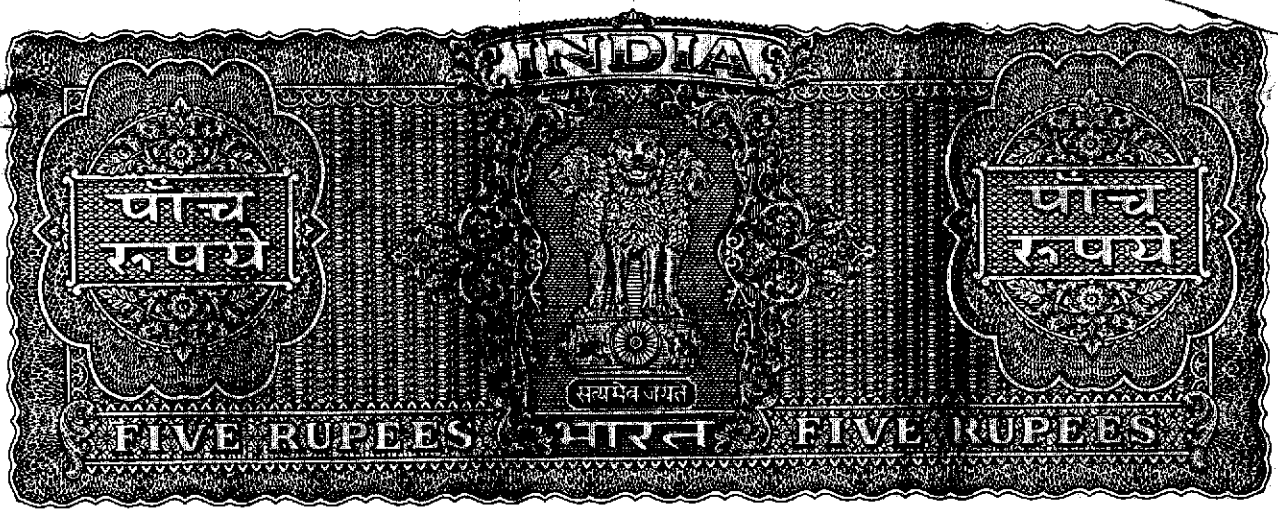


§1§नाम मनमोकिरान:-§1§श्री लाल नारायण सिंह पिता का नाम -स्व0 विलट शरण सिंह --------- प्रथम पक्ष ।

§2§ श्री विनय कुमार सिंह पिता-का नाम श्री लाल नारायण सिंह -------- द्वितीय पक्ष।

§3§श्रीमती किरण सिंहा पति का नाम- श्री विनय कुमार सिंह ---------- तृतीयपक्ष ।

सभी निवासी ग्राम+ पत्रालय- पारथु, थाना-पीपरा, जिला-पटना, पेशेदारान- कास्तकारी वो गृहिणी, भारतीय नागरिक ।



X 1

1

X 67

§2§नाम मोकिर|अलेह :-आपस में एक पक्ष दीगर पक्ष के ।

§3§किसीम बसीका :- याददास्त बँटवारा § तक्सीमनामा §

§4§तायदाद मालियत :- × × ×

§5§तफसील जायदाद :- जमीमा नं0- ।

जायद्दाद जमीमा नं0-। जो बँटकर
प्रथम पक्ष श्री लाल नारायण सिंह
को मिला वो करार पाया जिसपर
प्रथम पक्ष वहैसियत मालिक मुस्तकिल
काबिज वो दखिल चले आ रहे हैं ।

मवाजी । विगहा 16 कट्ठा 18 धुर 18 धुरकी §एक विगहा सोलह कट्ठा अठारह धुर अठारह धुरकी §
एराजी बागीचा अम्बा कलमी रैयती कायमी वसीगे नकदी वाके मौजा दीधा, प्रगना वो सर्वे थाना फुलवारी, हाल थाना दीधा, सब वो सदर रजिस्ट्री वो जिला पटना थाना नं0-1, तौजी नं0-5731 § पाँच हजार सात सौ एकतीस§ खाता नं0-1913 § एक हजार नौ सौ तेरह § वो सर्वे प्लौट नं0-वो चौहद्दी हस्व जैल दर्ज है :-

प्लौट नं0	एराजी	चौहद्दी
1391	13 कट्ठा § तेरह कट्ठा §	उ0- श्री करमू राय द0- श्री सत्येन्द्र सिंह वनम्वर हाजा पु0- हुसैनी राय प0- बोरिंग एवं रोड ।

प्लौट नं0	एराजी	चौहद्दी
1393	10 कट्ठा	उ0- नाला
	½ दस कट्ठा½	द0- राधो लाल सिंह वनम्वर हाजा
		पु0- तुलसी राय
		प0- रोड
1393	43-7/12 डी0	उ0- देवेन्द्र सिंह
	½ तेतालीस पूर्णांक सात	द0- दीपनारायण राम
	वटा वारह डी0½	पु0- हुसेनी राय
		प0- रोड ।

: जमीमा नं0- 2 :

जायदाद जमीमा नं0-2 जो बँटकर द्वितीय पक्ष श्री विनय कुमार सिंह को मिला वो करार पाया जिसपर द्वितीय पक्ष वहैसियत मालिक मुस्तकिल काविज वो दखिल खले आ रहे हैं ।

मवाजी 26-2/3 डिसमील ½ छब्बीस पूर्णांक दो वटा तीन डी0½ एराजी बागीचा अम्वा कलमी रैयती कायमी वसीगे नकदी वाके मौजा दीधा प्रगना वो सर्वे थाना फुलवारी हाल थाना दीधा, सव वो सदर रजिस्ट्री वो जिला पटना थाना नं0- । ½एक½ तौजी नं0- 5731 ½ पांच हजार सात सौ एकतीस½ खाता नं0- 1913 ½ एक हजार नौ सौ तेरह ½ वो सर्वे प्लौट नं0 वो चौहद्दी हस्व जैल दर्ज है :-

प्लौट नं0	एराजी	चौहद्दी
1403	26-2/3 डी0 ½ छब्बीस पूर्णांक दो बटा तीन डी0½	उ0- रोड द0- राधो लाल बनम्बर हाजा पु0- राम नरेश सिंह प0- रोड ।

: जमीमा नं0- 3 :

जायदाद जमीमा नं0-3 जो बँटकर तृतीय पक्ष श्रीमती किरण सिंहा को मिला वो करार पाया जिसपर तृतीय पक्ष वहैसियत मालिक मुस्तकिल काबिज वो दखिल चले आ रहे हैं ।

मवाजी 29 डिसमील ½ उनतीस डिसमील ½ एराजी बागीचा अम्बा कलमी रैयती कायमी वसीगे नकदी वाके मौजा दीधा प्रगना वो सर्वे थानाफुलवारी हाल थाना दीधा सब वो सदर रजिस्ट्री वो जिला पटना थानानं0-1 ½एक½तौजी नं0-5731 ½पांच हजार सात सौ एकतीस½ खाता नं0- 1913 ½ एक हजार नौ सौ तेरह ½ वो सर्वे प्लौट नं0 वो चौहद्दी हस्व जैल दर्ज है :-

प्लौट नं0	एराजी	चौहद्दी
1399	29 डी0 ½ उनतीस डी0½	उ0- राधो लाल सिंह बनम्बर हाज द0- श्री देवेन्द्र सिंह पु0- श्री कमल गुप्ता प0- रोड

: सं द र्भ :

अंजाजा के मुन्दर्जे खाना नं0-5 की सम्पत्ति मनमोकिर नं0- । प्रथमपक्ष श्री लाल नारायण सिंह को हासिल वजरिये बसीका यादास्त बॅटवारा मरकुमा तारीख 29-5-1995 ई0 को भाई राधो लाल सिंह वो भतीजा श्री देवेन्द्र विजय सिंह वो श्री सत्येन्द्र विजय सिंह निवासी ग्राम पारथु थाना-पीपरा, पत्रालय-पारथु, जिला-पटना द्वारा बॅटकर मिला था जिसपर मनमोकिरनं0-। वहैसियत बॅटवारा के मुताबिक स्वयं काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल रहते चले आते है वो हैं और मनमोकिर नं0-। अपना नाम वजमींदारी बिहार सरकार अंचलाधिकारी कार्यालय पटना सदर में दर्ज करवाकर रसीद कटवाते चले आते हैं जिसका जमाबन्दी नं0- है।

अंजाजा के मनमोकिरान आपस में राय मशवरा किये कि हमलोग तीनों फरीक आपस में बॉट वो तकसीम कर लें ताकि भविष्य में किसी तरह को कोई झंझट वो खरखसा मनमोकिरान या उनके पुत्र के बीचनहीं हो । इस वास्ते मनमोकिरान एक बसीका यादास्त बॅटवारा एक दूसरे को लिख देना जरूरी समझे इस वास्ते मनमोकिरान खुशी वो खवाहिश से अपना वदुरूस्तगी होश वो हवास वेला देने जब वो दवाव किसी दूसरों के वखुवी अपने अपने नफा वो नुकसान को अपना अपना समझ वो वुझकर एकरार करते है वो तकसीम नामा लिखते है कि जायदाद जमीमा नं0-। जो बॅटकर खास हिस्सा में मोकिरनं0-। प्रथम पक्ष को बॅटकर मिला वो जायदाद जमीमा नं0

-1 से मोकिर नं0- 2 ता 3 द्वितीय पक्ष वो तृतीय पक्ष या उनके वारिसान को कोई मतलब वो सरोकार नहीं रहा वो नहीं आइन्दे होगा । वो जायदाद जमीमा नं0-2 जो बँटकर खास हिस्सा वो दाज में मोकिर नं0- 2 श्री विनय कुमार सिंह फरीक दोयम द्वितीय पक्ष को मिला वो करार पाया जायदाद जमीमा नं0-2 से मोकिर नं0- 1 वो 3 प्रथम पक्ष वो तृतीय पक्ष या उनके वारिसान को कोई मतलब वो सरोकार नहीं रहा वो नहीं आइन्दे होगा । जायदाद जमीमा नं0-3 जो बँटकर खास हिस्सा वो दाज में मोकिर नं0- 3 श्रीमती किरपै सिंहा को मिला वो करार पायी । जायदाद जमीमा नं0-3 से मोकिर नं0- 1 ता 2 का कोई मतलब वो सरोकार नहीं रहा वो नहीं होगा । चाहिए कि मनमोकिरान अपने अपने हिस्सों पर काबिज दखिल मालिक मुस्तकिल होकर वो रहकर अपना अना नाम वसिरिस्ते वजमींदारी बिहार सरकार वो जहाँ-जहाँ जरूरत समझेगें वहाँ-वहाँ अपना अपना नाम दर्ज करा लेवेगें उसमें किसी भी फरीकैन या उनके वारिसान को किसी दूसरे फरीकैन या उनके वारिसान के साथ कोई उजुर एतराज नहीं करेगें अगर वाद तहरीर वो तामिल बसीका यादाँदास्त बँटवारा के किसी भी फरीकैन या उनके वारिसान किसी दूसरे फरीकैन के साथ उजुर एतराज करें वो दावी पेश करेगें तो बिल्कुल नाजायज वो वातिल होगा वो किसी अदालत के यहाँ अमान्य समझा जायेगा ।

इस वास्ते यह बसीका बँटवारा यादादास्त(तकसीमनामा) लिख दिया कि समय पर काम आवे वो प्रमाण रहे ।

गवहान का हस्ताक्षर	पक्षकारों का हस्ताक्षर
1. अमरेन्द्र कुमार 5/4/96	1. सही: लाल नारायण सिंह नि.ल्यो ल. 4-4-96
2. प्रमोद सिंह 5.4.96	2. सही निरंजन सिन्हा पा: स्वाक्ष ल: 4-4-96
	3. सही विनय कुमार सिंह ल. 4.4.96

टंकक

देव कुमार केसरी

(देव कुमार केसरी)
समाहरणालय, पटना ।

प्रतिलिपि के लिए आवेदन की तारीख Date of application for the copy.	स्टाम्प और फोलिओ की अपेक्षित संख्या सूचित करने की निश्चित तारीख Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	अपेक्षित स्टाम्प और फोलिओ देने की तारीख Date of delivery of the requisite stamps and folios.	तारीख, जबकि देने के लिए प्रतिलिपि तैयार थी Date on which the copy was ready for delivery.	आवेदक को प्रतिलिपि देने की तारीख Date of making over the copy to the applicant.
13/9/97	—	—	—	25/9/97

प्रतिलिपि के लिए आवेदन की तारीख Date of application for the copy.	स्टाम्प और फोलिओ की अपेक्षित संख्या सूचित करने की निश्चित तारीख Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	अपेक्षित स्टाम्प और फोलिओ देने की तारीख Date of delivery of the requisite stamps and folios.	तारीख, जबकि देने के लिए प्रतिलिपि तैयार थी Date on which the copy was ready for delivery.	आवेदक को प्रतिलिपि देने की तारीख Date of making over the copy to the applicant.
4/4/97	—	—	—	25/4/97

दावेदार द्वारा पेश किए गए गवाह का बयान

हल्का - पटवार - कानूनगो जिला - रतनगढ़ दावेदार - रामू पुत्र गिरधर - धर्म
धर्म का दावेदार के साथ संबंध - सगा चचेरा भाई
गांव - पीपर थाना - व तहसील - पीपर
पिता का नाम व ठिकाना - पन्नालाल कटवारा जन्म का संवत - 1932

पक्षों का हदबस्त

मुद्दआलेह द्वारा पेश किए गए दावे का संक्षिप्त विवरण	खसरा नं.	रकबा	दरख्त	जमाबंदी	टिप्पणी
1. पीपर रतनगढ़ सड़क से पश्चिम की ओर रतनगढ़ से पीपर की ओर जाने वाले रास्ते के पूर्व में स्थित कुआं	1193	0-20	50 नीम	रु. 20	दावेदार के गवाह पेश हुए
2. कुएं से पश्चिम की ओर 40 फीट की दूरी पर स्थित पीपल का पेड़	1193	0-05	1 पीपल	50	
3. पीपल के पेड़ से पश्चिम की ओर 30 फीट की दूरी पर स्थित नीम का पेड़	1193	0-25	1 नीम	1-00	
4. नीम के पेड़ से पश्चिम की ओर 50 फीट की दूरी पर स्थित बबूल का पेड़	1193	0-25	1 बबूल	50	
		1-09		2-20	

पक्षों का हदबस्त

मुद्दआलेह द्वारा पेश किए गए दावे का संक्षिप्त विवरण	खसरा नं.	रकबा	दरख्त	जमाबंदी	टिप्पणी
(i) कुएं से पश्चिम की ओर 40 फीट की दूरी पर स्थित पीपल का पेड़	1193	0-05	1 पीपल	रु. 50	
(ii) पीपल के पेड़ से पश्चिम की ओर 30 फीट की दूरी पर स्थित नीम का पेड़	1193	0-25	1 नीम	1-00	
(iii) नीम के पेड़ से पश्चिम की ओर 50 फीट की दूरी पर स्थित बबूल का पेड़	1193	0-25	1 बबूल	50	
		0-55		2-00	

दावेदार के गवाह पेश हुए। उनके बयान लिखे गए।

रु. 2-00

दावेदार द्वारा दी गई दस्तावेज की नकल

4/4/97

6/4/97 देवी दयाल शर्मा
22/9/97

Sch. XIV.—F.No. 180 V.

V

बि0स0मु0, पटना। X

रसीद मालगुजारी / फरद रैयती। 108

नाम सर्कल। नाम मौजा मय थाना वो थाना नम्बर / नाम रैयत मय वल्दियत जमाबन्दी वो सकुनत। नम्बर।

0509828

अराजी (बन्दी) | अराजी भावली | तफसील हिसाब लगान भावली।

जोत की सालाना मांग मय तफसील (बकाया वो हाल) मौजूदा साल का।

माल बाबत		सालाना	बकाया				हाल
			तीन वर्ष से ज्यादा।	3रा वर्ष।	2रा वर्ष।	1ला वर्ष।	
माल-- गुजारी	(नकदी)						
	(भावली)						
सेस							
*सुद							
मुतफरकात							
मीजान							

तफसील अदायकारी।

अदायकारी बाबत		बकाया				मौतालबा हाल	फाजिल
		तीन वर्ष से ज्यादा।	3रा वर्ष।	2रा वर्ष।	1ला वर्ष।		
माल-- गुजारी	(नकदी)						
	(भावली)						
सेस							
*सुद							
मुतफरकात							
मीजान अदायकारी							

(1) मीजान कुल (लफ्जों में) —

(2) नाम देहिन्दा —

(3) कुल बकाया —

दस्खत वो तारीख अमला तहसील कुनिन्दा

*खास महाल का बकाया मालगुजारी पर (सेवाय ऐसे बकायों पर जिन पर कि सर्टिफिकेट जारी हो) सूद नहीं लिया जाता है।

Record of rights for entry from mutation and public notice under Section 103 (A) of the Bengal Tenancy Act 1885 as amended by Act II of 1928 dated 28 Sept 1928

Sd/ Div. Settlement Officer

Recd

Sd/